खबर संक्षेप

6 माह में बह गई करोड़ों की नहर

शहडोल। जिले के जनपद पंचायत बुढ़ार के अंतर्गत आने वाले कुड़ेली गांव में करोड़ों की लागत से बनी नहर अब भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट चढ़ चुकी है। जल संसाधन विभाग द्वारा करीब 1 करोड़ रुपये खर्च कर बनाई गई 3 किलोमीटर लंबी नहर महज छह माह भी नहीं टिक पाई और टूटकर बह गई। नहर टूटने से जहां सरकारी खजाना डूब गया, वहीं सैकड़ों किसानों की खड़ी फसल भी बर्बाद हो गई। ग्रामीणों ने कड़े आरोप लगाते हुए कहा कि नहर का निर्माण गुणवत्ताहीन और घटिया सामग्री से किया गया। अगर काम सही तरीके से होता तो करोड़ों रुपये की लागत से बनी संरचना इतनी जल्दी धराशायी नहीं होती। अब हालत यह है कि जिन किसानों को सिंचाई का सहारा देने के लिए यह नहर बनाई गई थी, वे पानी के बिना अपनी फसलें बचाने के लिए जूझ रहे हैं। गांव के किसानों ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है और इसकी आड़ में जिम्मेदार अधिकारियों व ठेकेदारों ने मोटी रकम हड़प ली। सबसे हैरानी की बात यह है कि नहर के टूटने के बाद भी जल संसाधन विभाग चुप्पी साधे बैठा है। न तो किसानों के नुकसान का आकलन किया गया है और न ही दोषियों पर कोई कार्रवाई की गई है। ग्रामीण अब उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और किसानों को हुए नुकसान की भरपाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में सरकारी धन और किसानों की मेहनत यूं ही पानी में न बह जाए।

रसायन शास्त्र पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग ने पं. शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय को एक महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। विश्वविद्यालय को पूरे प्रदेश के शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए बीएससी द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा एमएससी तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम निर्धारण का कार्य सौंपा गया है। इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का आयोजन 22 और 23 सितम्बर को प्रातः 9:30 बजे से किया जाएगा। इसमें रसायन शास्त्र विषय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम निर्माण पर विशेष चर्चा होगी। खास बात यह है कि नए पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा और रसायन शास्त्र विषय पर भारतीय ज्ञान का समावेश किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को परंपरागत भारतीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी अवगत कराया जा सके। कार्यशाला के संयोजक एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के नोडल अधिकारी प्रो. एम.के. भटनागर ने जानकारी दी।

शहडोल।

नवरात्रि महापर्व: मां कंकाली दरबार में उमड़ेगा श्रद्धा का सैलाब

जगत जननी मां जगदंबा की आराधना का महापर्व नवरात्रि आज से शुरू हो रहा है। संभागीय मुख्यालय ही नहीं, बल्कि पूरे ग्रामीण अंचल में देवी भक्ति का उल्लास देखते ही बन रहा है। प्राचीन मां कंकाली देवी मंदिर ग्राम अंतरा मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर में हर साल की तरह इस वर्ष भी नौ दिनों तक विशाल मेला लगेगा, जहां श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ेगा। मान्यता है कि मां कंकाली के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना पूरी होती है। यही कारण है कि गरीब-अमीर, निर्धन-धनवान, राजनेता, जननेता, व्यापारी, अधिकारी-कर्मचारी सभी श्रद्धा और भक्ति से दरबार में माथा टेकने पहुंचते हैं।

ट्रस्ट की तैयारियां और भंडारा

मंदिर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। सुबह 07 बजे से आरती शुरू होगी, रात्रि 08 बजे मुख्य आरती होगी, दरबार सुबह से रात 09 बजे तक दर्शनार्थ खुला रहेगा, पूरे नौ दिनों तक विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें कच्चा-पक्का दोनों प्रकार का भोजन उपलब्ध रहेगा।

अखंड ज्योत और ज्वारा

नवरात्रि में भक्तों द्वारा घी व तेल के कलश प्रज्वलित किए जाएंगे। मंदिर समिति ने अखंड ज्योत की व्यवस्था की है। साथ ही परंपरा अनुसार भक्त ज्वारा बोते हैं, जो नौ दिनों तक जलते रहते हैं। पूरे पर्व में माता रानी हर दिन अलग-अलग श्रृंगार और वेशभूषा में भक्तों को दर्शन देंगी। भक्त अपनी श्रद्धा अनुसार श्रृंगार बुकिंग कर माता को सजाने का सौभाग्य प्राप्त कर सकते हैं।

सुरक्षा व सुविधाएं

मंदिर परिसर में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सजावट की विशेष तैयारियां की गई हैं। जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। भक्तों की सुविधा के लिए मंदिर परिसर में प्रसाद, चुनरी और पूजन सामग्री की दुकानें सजी रहेंगी। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने व भोजन की व्यवस्था भी ट्रस्ट समिति द्वारा की गई है। नवरात्रि के पूरे नौ दिनों तक मां कंकाली देवी का दरबार आस्था, श्रद्धा और भक्ति का केंद्र बना रहेगा।

सवालों के घेरे में 50 हजार का हवाला दर्ज न होना

पुलिस की ढिलाई से बढ़ा भय मड़ई तोड़ी, मारपीट हुई

शहडोल।

जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम करुआताल निवासी सेमवती कोल उम्र 60 ने थाना सिंहपुर में जो शिकायत दर्ज कराई है, वह न केवल गंभीर है बल्कि स्थानीय पुलिस की निष्क्रियता पर भी गहरे सवाल उठाती है। फरियादी के अनुसार 20 सितम्बर की शाम करीब 7:30 बजे सुद्धू कोल, बबलू कोल, गुल्ली कोल व श्रवण कोल ने उसके खेत में घुसकर खेत में बनी मड़ई (भंडारण स्थान) को हटाने की कहकर धक्का-मुक्की और बेरहमी से मारपीट की। जब विरोध हुआ तो आरोपियों ने घर के दरवाजे भी तोड़ डाले — एक ऐसा कृत्य जो सामान्य जमीन विवाद से कहीं आगे की हिंसा दर्शाता है।

मारने की खुली धमकी

फरियादी ने स्पष्ट रूप से बताया कि मारपीट के समय उसके पति व बहू मीरा भी मौके पर थे और उसने अपने युवा लडक़े सुरेश कोल को फोन करके पूरी स्थिति बताई। पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने खुलेआम कहा तुम्हारे घर में कोई नहीं रहता, अगर फिर आये तो तुम्हारा गला काट देंगे। इस तरह की जान से मारने की खुली धमकी किसी भी संवेदनशील मामले में गिरफ्तारी/ठोस कार्रवाई का औचित्य पैदा करती है।

तंत्र की उदासीनता

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पीड़िता ने पुलिस को यह भी बताया कि उसने अपने घर में 50,000 रुपये एक पेटी में जमा करके रखे थे और इस संबंध में उसने थाना में जानकारी दी थी, लेकिन यह उल्लेख दर्ज शिकायत में कहीं नहीं किया गया। आरोप है कि आरोपियों ने घर से पैसे उठाकर ले गए, लेकिन पुलिस ने गिरोह द्वारा तोडफ़ोड़, मारपीट और धन की अदायगी/कमी के संबंध में सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कोई एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई नहीं की। केवल एनसीआर कट कर न्यायालय जाने की सलाह दे देना पीड़िता व उसके परिवार के लिए न्याय पाने का कोई भरोसेमंद रास्ता नहीं है, बल्कि यह तंत्र की उदासीनता का प्रतीक बनता जा रहा है।

सख्त कार्यवाही की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब आरोप, तोडफ़ोड़ और खुली धमकियों जैसी कृत्य हुई हों तो यह मामूली आपसी विवाद नहीं रह जाता, यह आपराधिक हमला और धमकी का मामला बनता है। फिर भी पुलिस ने घायलों का मेडिकल, घटनास्थल का मुआयना, संदिग्धों की पहचान व गिरफ्तारियों की कवायद क्यों नहीं की? क्या किसी रणनीतिक कारण से यह मामला दबाया जा रहा है? पीड़िता की मांग है कि आरोपियों के खिलाफ मारपीट (अपराध), घर-घेरा तोडने एवं संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और खुलेआम हत्या की धमकी देने की धाराओं में सख्त कार्रवाई की जाए।

सता रहा सुरक्षा का भय

यह भी सवाल खड़ा होता है कि यदि 50 हजार रुपये के गायब होने की प्राथमिक सूचना पुलिस को दी गई थी, तो उस संपत्ति की चोरी/हत्या के इरादे से उठाई गई राशि के सम्बन्ध में भी क्यों नहीं रोचक/गम्भीर कार्रवाई हुई। क्या तलाशी, बयान-लब्धियाँ या सीसीटीवी/गवाहों के आधार पर किसी तरह की जांच शुरू की गई, इस प्रश्न का उत्तर आज तक सम्मानजनक रूप में नहीं मिला है। घटना की गंभीरता यह है कि पीड़िता व उसके परिवार को अब जिंदगानी व संपत्ति दोनों की सुरक्षा का भय सता रहा है; और जब कानून-व्यवस्था के संरक्षक ही ढिलाई दिखाएँ तो आम आदमी का भरोसा टूटता है। इस मामले में स्थानीय नागरिक संगठनों व मानवाधिकार समूहों को भी संजीदा होकर अविलंब हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि पीड़िता को संरक्षण मिले और आरोपियों के खिलाफ त्वरित, पारदर्शी न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित हो।

तो पीड़ित को मिलेगा न्याय

फरियादी ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि तुरंत घटनास्थल का औपचारिक मुआयना कराकर एफआईआर दर्ज की जाए, मारपीट, तोडफ़ोड़, धमकी और संभावित चोरी/हड़प के मद्देनजर आरोपी तत्काल हिरासत में लिए जाएं। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण और सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए तथा मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता का सवाल यही है,क्या कानून सिर्फ कागज़ों पर ही रहेगा, या असल में पीड़ितों को न्याय मिलेगा?

सिंहपुर में शारदीय नवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ

भक्ति, भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूंजेगा मंदिर परिसर

शहडोल। संभागीय से सटे सिंहपुर ग्राम पंचायत स्थित माँ काली एवं राम जानकी मंदिर प्रांगण में इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि महोत्सव का आगाज़ धार्मिक श्रद्धा और उल्लास के साथ हो गया है। माँ की असीम अनुकंपा और भक्तों की अटूट आस्था से प्रेरित यह आयोजन कई वर्षों से लगातार हो रहा है। राम जानकी सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित यह महोत्सव अब सिंहपुर और आसपास के क्षेत्र की आस्था और संस्कृति का प्रतीक बन चुका है। महोत्सव का शुभारंभ आज कलश एवं मूर्ति स्थापना के साथ होगा, इसके साथ ही मंदिर प्रांगण में भक्ति का वातावरण और भी प्रगाढ़ होगा। आयोजन समिति के अनुसार प्रतिदिन प्रातः 10 बजे कलश पूजन और संध्या 7 बजे माँ की भव्य आरती संपन्न होगी। इस दौरान मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भरा रहेगा और माँ के जयकारों से गूंजता रहेगा।कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न तिथियों पर विविध धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन निर्धारित किए गए हैं। 27 सितम्बर को छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य की विशेष प्रस्तुति होगी, जिसमें क्षेत्रीय कलाकार पारंपरिक परिधान और वाद्य यंत्रों के साथ लोक संस्कृति की झलक प्रस्तुत करेंगे। श्रद्धालु इस सांस्कृतिक संध्या का आनंद लेते हुए भक्ति और लोककला का अद्भुत संगम देख पाएंगे। 30 सितम्बर को महोत्सव अपने विशेष पड़ाव पर पहुंचेगा। इस दिन महाआरती, देवी जागरण एवं झांकी का आयोजन होगा। देवी जागरण में माँ दुर्गा के भजनों और कीर्तन की प्रस्तुति देर रात तक श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करती रहेगी। मंदिर परिसर रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सुसज्जित होगा, जिससे वातावरण और भी दिव्य और पवित्र हो जाएगा। इसके बाद 1 अक्टूबर को हवन और कलश विसर्जन सम्पन्न होगा। इस अवसर पर श्रद्धालु परिवार सहित हवन में आहुति देकर माँ दुर्गा से सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना करेंगे। आयोजन समिति का कहना है कि हवन में बड़ी संख्या में ग्रामीण और नगरवासी भाग लेंगे। महोत्सव का मुख्य आकर्षण 2 अक्टूबर को दशहरा महोत्सव होगा। इसमें पारंपरिक ढंग से रामलीला का मंचन, रावण वध का दृश्य और रावण दहन जैसे भव्य आयोजन होंगे। यह दृश्य भक्तों के लिए न केवल धार्मिक उत्साह का क्षण होगा, बल्कि सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करने का भी अवसर प्रदान करेगा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस अद्भुत क्षण का साक्षी बनेगा। आयोजन मंडल ने सिंहपुर सहित आस-पास के सभी श्रद्धालुओं, ग्रामीणों और नगरवासियों से अपील की है कि वे इस पावन पर्व में बढ़-चढक़र हिस्सा लें और महोत्सव को ऐतिहासिक बनाएं। उनका कहना है कि जब समाज के सभी वर्ग मिलकर भागीदारी करते हैं, तभी ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन सफल और सार्थक बनते हैं। लगातार कई वर्षों से आयोजित हो रहा यह नवरात्रि महोत्सव अब सिंहपुर की पहचान बन गया है। श्रद्धालु अपने परिवार के साथ यहाँ आकर माँ दुर्गा की आराधना करते हैं और पुण्य के भागी बनते हैं। नवरात्रि के दिनों में पूरा मंदिर परिसर भक्ति, भजन और माँ के जयकारों से गूंजायमान रहता है। यह अवसर न केवल भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है, बल्कि लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोडऩे का भी कार्य करता है।

कांग्रेस की गुटबाजी ने फिर खोली कलह की परतें

जिला कांग्रेस की बैठक से वरिष्ठ नेताओं की गैरहाजिरी, भाजपा ने कसा तंज

मानपुर। जिले की कांग्रेस पार्टी में गुटबाजी का पुराना जख्म एक बार फिर हरा हो गया है। बीते 25 वर्षों से संगठन के भीतर चली आ रही आपसी खींचतान ही वह कारण है, जिसके चलते जिले की दोनों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस लगातार मात खा रही है। अब हालात यह हैं कि नवनियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय कोल की अगुवाई में बुलाई गई बैठक में ही पार्टी के वरिष्ठ नेता और नगर पालिका परिषद उमरिया के पार्षदों ने शामिल होना जरूरी नहीं समझा।सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में वोट चोर गद्दी छोड़ो हस्ताक्षर अभियान को सफल बनाने को लेकर आवश्यक बैठक रखी गई थी। इसकी सूचना सोशल मीडिया और पत्राचार के जरिए पहले ही प्रसारित कर दी गई थी। बावजूद इसके, जिले के दिग्गज नेताओं से लेकर परिषद सदस्यों तक, किसी ने बैठक में उपस्थिति दर्ज नहीं कराई। इस लापरवाही को लेकर भाजपा खेमे ने भी तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का हालिया दौरा नेताओं के बीच समन्वय स्थापित करने के बजाय गुटबाजी को और मजबूत करने वाला साबित हुआ है।

गौरतलब है कि चार दिन पूर्व ही जीतू पटवारी जिले में दौरे पर आए थे और उन्होंने कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं से उनके घर जाकर मुलाकात भी की थी। इसके बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि संगठन में सुलह का रास्ता निकलेगा। मगर जिला कांग्रेस की बैठक में नेताओं की अनुपस्थिति ने यह साफ कर दिया कि अंतर्कलह जस की तस है और अनुशासन कांग्रेस के एजेंडे से गायब होता जा रहा है।

यह कोई पहली बार नहीं है। अतीत में भी जब अजय सिंह को हटाकर शारदा प्रसाद गौतम को जिला अध्यक्ष बनाया गया था, तब अजय सिंह समर्थकों ने समानांतर संगठन चलाकर पार्टी को कमजोर किया था। आज भी वही तस्वीर दोहराई जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह रवैया सीधे-सीधे राहुल गांधी के उस संदेश की अवहेलना है, जिसमें कहा गया था कि चाहे कोई कितना भी बड़ा नेता क्यों न हो, यदि वह जिला कांग्रेस के साथ नहीं है तो, संगठन में उसकी कोई जगह नहीं होगी।

जिले में कांग्रेस की परिषद होने के बावजूद नगर पालिका अध्यक्ष और पार्षदों द्वारा बैठकों का लगातार बहिष्कार करना इस गुटबाजी की गहराई को उजागर करता है। अब देखने वाली बात होगी कि इंजीनियर विजय कोल इस आपसी रंजिश और अविश्वास की दीवार को तोडक़र कार्यकर्ताओं को साथ लाने में कितने सफल हो पाते हैं। यदि हालात यही रहे तो जिले में कांग्रेस संगठन का मजबूत होना तो दूर, सत्ता तक पहुंचने का सपना भी और दूर होता चला जाएगा।

जिला पंचायत की चुप्पी से उजागर हो रही सिस्टम की लापरवाही

धूल खा रही शिकायतें, भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद

शहडोल।

अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की पुकार तत्काल सुनने का दावा करने वाली भाजपा सरकार का जमीनी सच कुछ और ही बयां कर रहा है। सरकार की चमकदार घोषणाओं और ढपोलशंखी नारों के बीच हकीकत यह है कि अफसरों की ड्योढिय़ों पर सैकड़ों फरियादी रोज नाक रगड़ते हैं, शिकायतें दर्ज कराते हैं और जांच प्रतिवेदन सौंपते हैं, मगर नतीजा हमेशा सन्नाटे में दफन रह जाता है। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ दर्जनों प्रमाणित मामलों पर कार्यवाही न होना यह साबित करता है कि तंत्र की आंखें बंद हैं और न्याय का सिंहासन डोल रहा है।

सबसे ताजा मामला जयसिंहनगर जनपद की ग्राम पंचायत मसियारी से सामने आया है। पंचायत के सरपंच ने अपने लेटर पैड पर दिनांक 8 जुलाई को जिला पंचायत कार्यालय में एक गंभीर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में स्पष्ट रूप से आरोप लगाया गया कि पंचायत के रोजगार सहायक रामकुमार कुशवाहा योजनाओं में खुलकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि रोजगार सहायक अपने पद का दुरुपयोग करते हुए प्रधानमंत्री आवास

योजना, लघु तालाब योजना और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ पाने के लिए खुलेआम आर्थिक शोषण करता है।

शिकायतकर्ताओं में श्याम किशोर कहार, रामजतन प्रजापति, रामकेश साहू, जमुना और बृजलाल शामिल हैं। इन ग्रामीणों ने लिखित रूप से मांग की थी कि भ्रष्टाचार रोकने के लिए जिला स्तरीय जांच दल गठित कर रोजगार सहायक की तत्काल जांच की जाए और दोषी पाए जाने पर उसे सेवा से पृथक किया जाए या कम से कम मसियारी से स्थानांतरित किया जाए।

लेकिन विडंबना देखिए शिकायत को तीन माह से अधिक हो चुके हैं, जिला पंचायत के अधिकारी अब तक चुप्पी साधे बैठे हैं। इससे न केवल ग्रामीणों की उम्मीदों पर पानी फिर रहा है, बल्कि भ्रष्टाचारियों के हौसले भी बुलंद हो रहे हैं।

आरोप बेहद संगीन हैं, प्राथमिक शाला भवन मसियारी में जल संचयन कार्य के नाम पर 79 हजार 325 रुपये का भुगतान फर्जी तरीके से कर लिया गया। यही नहीं, शक्तिडोल के ईजीएस स्कूल में भी जल संचयन कार्य दर्शाते हुए 69 हजार 950 रुपये का फर्जी भुगतान किया गया, जबकि मौके पर ऐसा कोई कार्य नहीं कराया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह सब कागजों पर ही पूरा दिखाया गया और पैसे सीधे जेबों में चले गए।

गौरतलब है कि इस गोरखधंधे में जनपद के उपयंत्री की मिलीभगत से भी इनकार नहीं किया जा सकता। अगर निष्पक्ष जांच कराई जाए तो परत दर परत कई और घोटाले सामने आ सकते हैं। पर सवाल यह है कि जिला पंचायत की चुप्पी आखिर किसकी रक्षा कर रही है?

दरअसल, यह अकेला मसियारी का मामला नहीं है। जिले में सैकड़ों शिकायतें वर्षों से फाइलों में दबाकर रख दी गई हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलने वाले ग्रामीण आज भी न्याय की आस में भटक रहे हैं। जब सरकार और प्रशासन मिलकर भ्रष्टाचारियों पर कार्यवाही करने की बजाय मामले दबाने में जुटे हों, तो साफ है कि तंत्र की प्राथमिकता जनता नहीं, बल्कि भ्रष्ट अफसर और कर्मचारियों की ढाल बनना है। अब सवाल यह उठता है कि जब प्रमाणित भ्रष्टाचार की फाइलें भी धूल खा रही हों, तब जनता आखिर किस दरवाजे पर दस्तक दे? अगर जिला पंचायत और प्रशासन अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल है तो फिर भाजपा सरकार का अंतिम छोर के व्यक्ति की सुनवाई का नारा महज एक छलावा ही है।

1 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1 अक्टूबर 2025 अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में मनाया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस मनाये जाने का उददेश्य समाज में बुजुर्गों को आत्मीय सम्मान प्रदान करना तथा उनके अधिकारों पर सामाजिक सामर्थन तैयार करना है। इस अवसर पर जिले में संचालित वरिष्ठ आश्रमो में निवासरत वृद्धजनों को संस्था स्तर पर ही सम्मानित किया जायेगा। संस्था में निवासरत वृद्धजनों के लिये इन्डोर गेम जैसे कैरम बोर्ड, लूडो, शतरंज, गीत और संगीत आदि का आयोजन किया जाएगा। वरिष्ठजनों की रुचियों के अनुसार मोबाइल फोन इंटरनेट और कंप्यूटर के उपयोग करने के संबंध में कैंप का आयोजन कर प्रशिक्षित कराया जाएगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा जिला अस्पतालों, सिविल डिस्पेन्सरी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो के माध्यम से वरिष्ठजनों के स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 तथा मध्यप्रदेश नियम 2009 में वरिष्ठजनी के परीक्षण के लिये कैप आयोजित कराये जाए। अधिकार के लिये निहित प्रावधानों की जानकारी वरिष्ठजनों को दी जायेगा। 100 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके वरिष्ठजनों को शतायु सम्मान से सम्मानित किया जावे। वरिष्ठजनों के समग्र कल्याण एवं पुर्नवास हेतु जिला स्तर पर गठित जिला कमेटी बैठक आयोजित कराई जावे।जनरेशन गैप दूर करने के लिये विद्यालयीन महाविद्यालयीन छात्र/छात्राओं और युवाओं के साथ विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन होगा। वरिष्ठजनों की समस्याओं का निराकरण हेतु प्रदेश में संचालित इल्डर लाइन 14567 वृहद प्रचार-प्रसार कराया जावेगा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ऐसे वृद्ध जिन्होने 100 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है उनको शतायु सम्मान अन्तर्गत शाल/ श्रीफल से सम्मानित किया जावेगा।

कल निशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर

उमरिया। राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत संचालनालय आयुष मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार उमरिया जिले में संचालित समस्त आयुष संस्थाओं में 23 सितंबर को दशम राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का आयोजन थीम आयुर्वेद जन जन के लिए पृथ्वी के कल्याण के लिए निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। जिला आयुष अधिकारी डॉ,विनोद सिंह ने बताया कि इस वर्ष दिनांक 23 सितंबर 2025 को आयुर्वेद दिवस का आयोजन किया जा रहा है ,जिसमें उमरिया जिले के समस्त आयुष संस्थाओं में निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन। शिविर में अनुभवी चिकित्सकों द्वारा आमबात, मधुमेह, उच्चरक्तचाप, चर्मरोग, एवं अन्य रोगों का परीक्षण, जांच उपरांत निःशुल्क औषधि का वितरण किया जायेगा। जिला आयुष अधिकारी डॉ,विनोद सिंह ने सभी से जनसामान्य से अपील की है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में आयुष संस्थाओं में पहुंच कर निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएं।

नवरात्रि को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नवरात्रि एवं दशहरे के पावन पर्व को शांति पूर्वक मनाए जाने को लेकर सोमवार को थाना परिसर में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया है।थाना प्रभारी रत्नाबर शुक्ल ने बताया कि जिले के प्रमुख नगर कोतमा में नवरात्रि एवं दशहरे पर्व को शांति, सौहार्द एवं उत्साह के साथ मनाए जाने की परंपरा रही है।

सीएमओ राज में अजायब घर बना नपा का फायर स्टेशन

अधीक्षक 8 वीं पास, प्रशिक्षित मल टैंक साफ कर रहा

शहडोल।

भ्रष्टाचार और अराजकता के इस दौर में शासन के कुछ ऐसे संस्थान भी है, जो शायद अंधेरनगरी बन चुके हैं, ऐसे संस्थान लोगों के लिए अबूझ पहेली बने हुए हैं। नगर पालिका की अग्निशमन सेवा का हाल कुछ ऐसा ही है, जो भी इसका हाल सुनता है भौचक्का सा होकर रह जाता है। लोगों को फायर ब्रिगेड शासन का आजयबघर और सीएमओ की अंधेर नगरी जैसा दिखलाई पड़ता है। दफ्तर के हर स्तर पर हर कदम में नियमों का घोर उल्लंघन करते हुए विधिवत शासन से वेतन लिया जा रहा है।

8 वीं पास अधीक्षक

फायर स्टेशन में अधिकारी के समतुल्य एक पद होता है, फायर अधीक्षक का। इसके लिए शैक्षणिक योग्यता कम से कम स्नातक और जोखिम भरी अग्निशमन सेवा का प्रशिक्षण अनिवार्य होता है। शासन का यही प्रावधान है, लेकिन शहडोल फायर स्टेशन में 8 वीं पास (शायद) और बिना फायर प्रशिक्षित ड्राइवर पद का कर्मचारी को फायर अधीक्षक के पद पर वर्षो से बैठा रखा गया है। इसके बारे में वर्तमान और पूर्व सीएमओ दोनों ही भलीभांति वाकिफ है। बताते हैं कि पुराने सीएमओ का ही सारा कियाधरा है। मजे की बात यह है कि सफाईकर्मियों की भर्ती के समय शैक्षणिक योग्यता 10 वीं 12 वीं मांगी जाती है।

मल टैंक साफ कर रहे

नेशनल एकेडमी से विधिवत शमन सेवा का प्रशिक्षण प्राप्त और अच्छी शैक्षणिक योग्यता रखने वाले कर्मचारी को शमन सेवा से पृथक कर उसकी ड्यूटी शहर में मल टैंक साफ करने में लगा दी गई है। यह कर्मचारी वर्षो से अपने मूल दायित्व से वंचित होकर मल टैंक की सफाई जैसे कार्य में लगा है और धीरे-धीरे अवसाद ग्रस्त होता जा रहा है। जब फायर कर्मचारियों में पढ़े लिखे प्रशिक्षित लोग थे तो, उन्हें अवसर क्यों नहीं दिया गया, जबकि फायर अधीक्षक शमन जानकारी के आभाव में अग्नि दुर्घटना के समय स्थल पर जाना भी जरूरी नहीं समझता।

चरमराते फायर वाहन

फायर सर्विस चूंकि एक अत्यंत संवेदनशील और आवश्यक आपात सेवा है, वाहनों की सर्विस सडक़ पर पूर्णतया स्पीडी होनी चाहिए , लेकिन यहां वाहनों का सही रख-रखाव नहीं होने से सारे वाहन धक्का-परेड हैं, जो रास्ते में रूक जाते हैं। जबकि इन वाहनों की लगातार मरम्मत दर्शाकर पैसा आहरित किया जाता है। कब-कब कितने वाहनों की नोटशीट चली यह देखने सुनने वाला कोई नहीं।

कुत्ता नहला रहे

शहडोल फायर ब्रिगेड में कुल 6 वाहन है, इनमें 4 बड़े और दो छोटी क्विक रिस्पांस वाहन हैं। यह आपात कालीन सेवा सातो दिन, 24 घंटे उपलब्ध रहती है। इसके प्रत्येक वाहन में नियमतः 6 कर्मचारी होने चाहिए, इसलिए यहां 36 कर्मचारी होने चाहिए ,लेकिन यहां मात्र 20-22 से काम चलाया जा रहा है। उनकी भी हालत क्या है, एक कर्मचारी सीएमओ का कुत्ता टहला रहा है। उसके बंगले में खाना बनाता है। बड़े फायर वाहन के मुख्य चालक की ड्यूटी एडीएम के वाहन को चलाने के लिए लगा दी गई है। अब वह अग्नि शमन का कार्य छोडक़र साहब को भोपाल, जबलपुर आदि जगह घुमाता रहता है।

सर्वे में लगे वसूली कर रहे

जानकारी मिली है कि 7 से अधिक कर्मचारियों की ड्यूटी फायर सेवा से हटाकर वार्डो के सर्वे में लगा दिया गया है। अब इन कर्मचारियों से फायर स्टेशन को कोई सरोकार नहीं रह गया है। यही नहीं दो कर्मचारी बस स्टैण्ड में रहकर आती-जाती बसों से पैसे वसूलते रहते हैं। इनसे भी फायर स्टेशन का कोई मतलब नहीं रहता है।

ऐसे भी ठाठ

पूरे प्रदेश में शायद शहडोल के फायर स्टेशन में ही यह सुविधा होगी कि जो अधिकारी सेवानिवृत्त हो गये या जो स्थानांतरित हो गए, उनके घर भी फायर कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं। सीएमओ के घर का हाल लिखा जा चुका है, पूर्व फायर प्रभारी वर्षो पहले सेवानिवृत्त हो गए थे, उनके घर भी चपरासी लगे हुए हैं और साहब की सेवा टहल कर रहे हैं। बताते हैं कि फायर स्टेशन में मूल ड्यूटी के सिवा सब कुछ कराया जाता है। दैनिक वेतन भोगियों के घर भी सेवादार लगे हुए हैं। पूरी तरह से फायर कर्मचारियों का शोषण किया जाता है। ऊपर से वेतन काटने की धमकी दी जाती है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद शहडोल (म.प्र.)

स्थापना बाबू भी कम नहीं

नगर पालिका का स्थापना बाबू भी कम करामाती नहीं है। वह सीएमओ के आदेश को ही उल्टा-पल्टा कर अपने स्वार्थ अनुरूप आदेश बनाकर सीएमओ की अनुपस्थिति में अन्य अधिकारियों से फॉर कराकर हस्ताक्षर करा लेता है और सीएमओ को पता भी नहीं चलता। पूर्व में नपा अधिकारी द्वारा सहायक राजस्व निरीक्षकों को वार्ड प्रभारी का दायित्व सौंपा गया था। स्थापना बाबू ने इन सबसे रिश्वत लेकर उन्हें वार्ड प्रभारी से मुक्त कर दिया।

कायाकल्प क्यो? पुरानी गर्द ही भली

हर विभाग समय और जरूरत के अनुसार स्वयं को अपडेट करता है, शासन से मांग करता है, लेकिन नगर पालिका के अधिकारी अपने संसाधन बढ़ाने की ओर कभी रूचि नहीं लेते। उन्हें लगता है कि कायाकल्प करने की जरूरत क्या है, पुराना गर्दा ही भला क्या बुरा है? इस संबंध में हर बार एसपी साहब ने सुरक्षा संबंधी बैठक लेकर नपा की खिचाई भी की थी, नपा अधिकारी सिर झुकाकर रह गए थे।

सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत जिला जेल में काव्य गोष्ठी संपन्न

उमरिया। जिला जेल में जेलर ,उप अधीक्षक माखन सिंह मार्को ने बताया कि जिला जेल में सेवा पखवाड़ा अभियान के तत्वाधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम वातायन एवं साहित्यिक संस्था उमरिया द्वारा आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रूप से काव्य संस्था के अध्यक्ष श्री जगदीश पयासी , राम लखन चौहान , शिवानंद पटेल , आशीष तोमर , संपत नामदेव , अनिरुद्ध प्रजापति ,प्राचार्य चंदिया महाविद्यालय ने अपनी सहभागिता दी।कार्यक्रम का संचालन राजकुमार महोबिया प्राचार्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ,द्वारा किया गया।कार्यक्रम के मुख्य संयोजक जेल में प्रहरी शारिब पूर्वांचली (गज़लकार) द्वारा किया गया। सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत आज जिला जेल में काव्य गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें 40 बंदियों ने भाग लिया । इस अवसर पर बंदियों को सेवा पखवाड़ा अभियान के मुख्य उद्देश्यों से अवगत कराया गया। बंदियों को स्वच्छता और सेवा का महत्व बताया गये।सभी बंदियों ने जीवन में सेवा भावना से कार्य करने का संकल्प लिया।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत किया गया श्रमदान

उमरिया। जिला समन्वयक रविंद्र शुक्ला ने बताया कि विकासखंड पाली में सीएमसीएलडीपी छात्र द्वारा स्वच्छता का कार्य किया गया । ग्राम पंचायत रौगढ़ विकासखंड पाली में स्वच्छता अभियान स्वच्छता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान का शुभारंभ किया गया । अभियान का उद्देश्य भारत देश को स्वच्छ बनाए रखना हर गली मोहल्ले को स्वच्छ बनाए रखना है । श्रमदान के माध्यम से संदेश दिया गया कि सार्वजनिक जागरूकता स्वच्छता न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के लिए, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है साथ ही स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण में रहने से बीमारियों का खतरा कम होता है, सकारात्मक सोच का विकास होता है, और आत्मविश्वास बढ़ता है। इस अवसर पर ब्लाक समन्वयक पुष्पा टेकाम , आँगनवाडी सहायिका तथा जन अभियान परिषद् सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं, परामर्शदाता उपस्थिति रहे।

सेवा पखवाड़ा के तहत एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

उमरिया । सेवा पखवाड़ा (दिनांक 17 सितम्बर 2025 से 02 अक्टूबर 2025 के अंतर्गत जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र उमरिया द्वारा लघु उद्योग भारती शहडोल के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन प्रातः 11 बजे से स्वाद रेस्टॉरेंट उमरिया में महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र दिनेश कुमार मर्सकोले के मुख्य आतिथ्य में किया गया ।

कार्यशाला में अंकित कुमार सिंह प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र उमरिया द्वारा एमएसएमई पॉलिसी एवं स्टार्टअप पॉलिसी 2025, समीर खत्री द्वारा ई-कामर्स, मयूर शर्मा द्वारा रैम्प एवं हेमन्त झा द्वारा जेड सर्टिफिकेशन के संबंध में विस्तृत जानकारी से कार्यशाला में उपस्थित उद्यमियों को अवगत कराया गया। इस अवसर पर सेवकराम सोनवानी,अग्रणी जिला प्रबंधक, प्रदीप कुमार आयुष अधिकारी, नियाज अहमद अंसारी प्राचार्य आदर्श महाविद्यालय उमरिया एवं श्री बसंत गुप्ता लघु उद्योयग भारती रहे।

चंदवार में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न

उमरिया। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत ग्राम पंचायत चंदवार में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया । इस अवसर पर समस्त ग्रामवासियों कि जांच की गई । शिविर में आशुतोष अग्रवाल,धनुषधारी सिंह सरपंच ग्राम पंचायत चंदवार ऋतुराज सिंह,क्षेत्रीय एडीईओ शिवम्-असाटी, शैलेंद्र द्विवेदी , विपिन तिवारी भूत पूर्व सरपंच, गुरुदत्त पुरी, ब्रजमोहन पुरी सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण माह के तहत कार्यक्रम संपन्न

उमरिया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता ने बताया कि पोषण माह अंतर्गत थीम अनुसार आंगनवाड़ी केंद्र घघराड ,ग्राम पंचायत घघराड ,सेक्टर ताला,ब्लॉक मानपुर सहित ग्राम नयागावं, ग्राम घुलघुली अंतर्गत राष्ट्रीय पोषण माह 2025 थीम अनुसार आभा आईडी और अपार आईडी तैयार करने का अभियान जनांदोलन के रूप में मनाया गया।

स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के समन्वय से यह कार्य आंगनवाड़ी में संचालित किया गया। आभा एक 14-अंकीय डिजिटल स्वास्थ्य आईडी है जो व्यक्तियों को अपने सभी स्वास्थ्य रिकॉर्ड (जैसे प्रिसक्रिप्शन, लैब रिपोर्ट, इलाज) को एक ही जगह पर सुरक्षित रूप से स्टोर और साझा करने की अनुमति देती है। अपार आईडी का अर्थ ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री है, जो भारत में छात्रों के लिए एक स्थाई डिजिटल पहचान है। भारत सरकार द्वारा शुरू की गई वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी पहल का हिस्सा है, और इसका उद्देश्य छात्रों के सभी शैक्षणिक रिकॉर्ड, जैसे कोर्स, ग्रेड, डिग्री, प्रमाणपत्र और उपलब्धियों को सुरक्षित रूप से डिजिटल रूप से स्टोर करना है. यह डिजी-लॉकर से जुड़ा होता है, जिससे छात्रों को कहीं भी अपने रिकॉर्ड तक पहुंचने में मदद मिलती है। अभियान में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनारकली बैगा सुपरवाइजर कंचन कुंवर मरावी एवं अन्य जन प्रतिभागी उपस्थित हुए।

सफाई मित्रों के स्वास्थ्य की हुई जांच

उमरिया। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा स्वच्छता उत्सव की थीम पर जनपद पंचायत पाली की ग्राम पंचायत मलियागुड़ा में श्रमदान गतिविधि से शुभारम्भ किया गया। सभी ग्राम पंचायतों में चिन्हित सीटीयू में श्रमदान किया गया। इसी तरह ग्राम पंचायत गोरईया में सूखा एवं गीला कचरा की जानकारी ग्राम वासियो को दी गई। कचरा, घर से अलग-अलग गाड़ी में डालने के लिये प्रेरित किया गया। स्कूल के बच्चो को भी सूखा एवं गीला कचरा के लिए जागरूक किया गया। सिंगल प्लास्टिक यूज नहीं करने के लिये शपथ दिलाई गई साथ ही दोना पत्तल का उपयोग नहीं करने के लिये ग्रामवासियो को प्ररित किया गया। इसी प्रकार पर्यटन ग्राम मढ़ी में श्रमदान किया गया। सफाई मित्र के स्वास्थ्य की जांच उप-स्वास्थ्य केन्द्र घुनघुटी, गोरईया एवं मलियागुड़ा स्वास्थ्य की जांच कराई गई। स्वास्थ्य परीक्षण में ग्राम पंचायत गोरईया के संतोष मानिकपुरी सरपंच एवं स्वच्छताग्राही धर्मदास पनिका, ग्राम पंचायत घुनघुटी में नयन सिंह ग्रा.रो. सहा. एवं ग्राम पंचायत मलियागुड़ा के दिलीप सोनी ग्रा.रो. सहा. उपस्थित रहे। जिला समन्वयक स्वच्छता ने बताया कि 23 सितम्बर 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्वच्छता मित्रो का प्रशिक्षण आयोजित किया गया है ।स्वच्छता ही सेवा की लगातार प्रतिदिन की गतिविधियां की जा रही है। 02 अक्टूबर 2025 को समापन किया जायेगा।

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा निकाली गई जन जागरूकता रैली

उमरिया।

सेवा पखवाड़ा के तहत भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी शाखा उमरिया के द्वारा क्षय रोग, रक्तदान और सिकल सेल की रैली जिला अस्पताल से निकली गई । रैली जिला अस्पताल, स्टेडियम, जय स्तंभ चौक से होते हुए पुनः जिला अस्पताल में इसका समापन हुआ । रैली का उद्देश्य समाज को क्षय रोग से मुक्त करने और जागरूक करने तथा ज्यादा से ज्यादा लोग रक्तदान के लिए आगे आए और समाज सिकल सेल के प्रति जागरूक हो इस संबंध से भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी शाखा उमरिया और जिला अस्पताल तथा पैरामेडिकल कॉलेज के समस्त छात्र छात्राओं के संयुक्त तत्वाधान में यह रैली निकाली गई। साथ ही इस जागरूकता रैली में स्वच्छता का भी समाज के बीच में संदेश दिया गया। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसायटी शाखा उमरिया के सभापति अखिलेश त्रिपाठी , सचिव एवं सिविल सर्जन डॉ के सी सोनी , सदस्य, वरिष्ठ समाज सेवी मान सिंह , भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी उमरिया के सदस्य डॉ संदीप सिंह , अनुराग तिवारी , प्रिंस छांगवानी , आशीष तिवारी , शुभम त्रिपाठी ,शिवम मिश्रा , जिला अस्पताल से डॉ मुकुल तिवारी सहित अन्य, जन उपसथित रहे ।

मां दुर्गा की आराधना, उपासना का महापर्व नवरात्रि पर्व आज से होगा शुरू

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मां दुर्गा की आराधना, उपासना का महापर्व शारदीय नवरात्रि पर्व आज से शुरू होगा। इसके लिए तैयारियां अंतिम दौर में हैं। शनिवार से ही आयोजकों द्वारा प्रतिमाओं का ले जाना का क्रम शुरू हो गया था। नवरात्रि को लेकर बाजार सज गया है। आगामी 2 अक्टूबर तक चलने वाले पर्व के दौरान शहर से लेकर गांव, कस्बों में जगह- जगह चौक व चौराहों पर मातारानी की आकर्षक झांकियां लगाने के लिए पंडाल सजाए जा रहे हैं। नवरात्रि महोत्सव में कोतमा नगर में ही एक दर्जन स्थानों पर मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों वाली कई आकर्षक झांकियां सजाई जाएगी। इसके लिए दुर्गा समितियों के कार्यकर्ता तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। पर्व के लिए नगर में 2 स्थानों पर मूर्तिकारों ने दुर्गा प्रतिमाओं का निर्माण किया है। कलश स्थापन के साथ शारदीय नवरात्र की शुरुआत 22 सितम्बर से होगी, जो 2 अक्टूबर तक चलेगी। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के बाजार में रविवार को शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा की आराधना के लिए लोग पूजन सामग्री की खरीदारी करते दिखे. जिससे बाजार में खूब चहल-पहल दिखी. देवी दुर्गा की आराधना के लिए जगह-जगह बनाये जा रहे दुर्गा पंडालों का निर्माण अंतिम चरण में है। मूर्तिकार मंदिरों व पूजा पंडालों में देवी दुर्गा सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। कोतमा नगर के ठाकुर बाबा धाम पंचायती मंदिर शारदा काली

मंदिर बूढी माता मंदिर धर्मशाला मंदिर गोहंड्रा स्थित काली मंदिर लहसुई गोबिंदा कालोनी गोविंदा गांव दुर्गा मंदिर में शारदीय नवरात्र की तैयारी पूरी की जा रही है। शारदीय नवरात्र में देवी दुर्गा की नौ स्वरूप की आराधना करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा के अनुरूप 22 सितम्बर को कलश स्थापन के बाद मां दुर्गा की प्रथम स्वरूप देवी शैलपुत्री की पूजा-अर्चना होगी।

पूजन सामग्री की खरीदारी में व्यस्त दिखे लोग

कोतमा नगर के बाजार में चहल-पहल बढ़ गयी है. बाजार फल, फूल व पूजन सामग्री से पट गया है. लोग फल-फूल के साथ तील, जौ सहित अन्य पूजन सामग्री की दिनभर जमकर खरीदारी करते दिखे। मिट्टी के कलश दिया सहित अन्य सामग्रियो की दिनभर लोग जमकर खरीददारी की। दिनभर चला सिलसिला - नवरात्रि पर्व के एक दिन पूर्व रविवार को नगर के मुखर्जी चौक में जमकर भीड लगी रही वाहनों की लंबी कतार देखी गई। मुखर्जी चौक में मूर्तिकार के यहां से सुबह से लेकर देर शाम तक माता की प्रतिमा ले जाने का सिलसिला चलता रहा। पूरा नगर माता के जयकारों से गूंजायमान था। बैंड बाजे एवं पटाखे फोड़ते हुए माता के भक्त चार पहिया एवं बड़े वाहनों में माता की प्रतिमा को ले जाते नजर आए। वाहनों की आवाजाही के कारण मुखर्जी चौक में जाम की स्थिति देखी गई। यातायात व्यवस्थित रहे इसको लेकर थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल के द्वारा यातायात पुलिस सहित स्थानीय पुलिस की ड्यूटी लगाई गई थी। जिसके कारण सड़क के एक ओर से वाहनों की आवाजाही होती रही वही प्रतिमाओं को लेने आने वाले वाहनों को क्रम से भेजें जाने की व्यवस्था की गई थी।

यहां स्थापित होंगी प्रतिमाएं

नगर के बस स्टैंड मुखर्जी चौक गुरुद्वारा रोड शारदा काली मंदिर परिसर गांधी चौक पुराना स्टेट बैंक चौक पुराना अस्पताल रोड वार्ड क्रमांक एक भट्ठी टोला वार्ड क्रमांक 7 शीशु भारती स्कूल के पास रेस्ट हाउस रोड विकास नगर तहसील परिसर कॉलेज तिराहा देवी मढिया लहसुई कैंप गोबिंदा कालोनी गोविंदा गांव सहित ग्रामीण क्षेत्रों में माता के आकर्षक पंडाल सजाए जा रहे हैं जहां आज माता की प्रतिमा विधि विधान से स्थापित की जायेगी। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिवस घट स्थापना के साथ ही जवारे कलश स्थापित किये जायेंगे। नगर के पंचायती मंदिर बूढी माता मंदिर ठाकुर बाबा धाम मंदिर परिसर में अखंड ज्योति कलश भी जलाए जाएंगे जो 9 दिनों तक निरंतर जलते रहेंगे।

खबर संक्षेप

कोल इंडिया के नए सीएमडी होंगे बी. साईराम

धनपुरी-। भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के अधीन पब्लिक एंटरप्राइज सेलेक्शन बोर्ड (**PESB**) की बैठक क्रमांक 83/2025 दिनांक 20 सितम्बर 2025 (शनिवार) को आयोजित की गई। बैठक का मुख्य एजेंडा था — कोल इंडिया लिमिटेड (**Coal India Limited**) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (**CMD**) का चयन।बैठक में 11 वरिष्ठ अधिकारियों का साक्षात्कार लिया गया, जिनमें विभिन्न महत्त्वपूर्ण सार्वजनिक उपक्रमों के अनुभवी अधिकारी शामिल रहे। इनमें कोल इंडिया, एनएमडीसी, एनएएलसीओ, इंडियन ऑयल, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन, आयकर विभाग और रेलवे से जुड़े अधिकारी भी सम्मिलित थे।सभी उम्मीदवारों की गहन समीक्षा और साक्षात्कार के बाद **PESB** ने नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (**NCL**) के चेयरमैन–**cum**–प्रबंध निदेशक श्री बी. साईराम का नाम अनुशंसित किया।ज्ञात हो कि कोयला उद्योग में श्री बी. साईराम का लंबा अनुभव और कुशल नेतृत्व क्षमता रही है। **NCL** में उनके कार्यकाल के दौरान उत्पादन, सुरक्षा और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की गईं। इन्हीं कारणों से उन्हें देश की सबसे बड़ी कोल कंपनी की बागडोर सौंपे जाने की सिफारिश की गई है।इस चयन के साथ ही कोल इंडिया लिमिटेड के भविष्य को लेकर नई उम्मीदें जागी हैं। उद्योग जगत का मानना है कि साईराम के नेतृत्व में कंपनी को नई ऊँचाइयाँ प्राप्त होंगी और ऊर्जा क्षेत्र में कोल इंडिया की अहम भूमिका और सशक्त होगी।

वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान में जुटी कांग्रेस

शहडोल। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के नाम पर देशव्यापी आंदोलन की शुरुआत की है। इसी क्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक राष्ट्रव्यापी वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य 5 करोड़ से अधिक हस्ताक्षर एकत्रित कर उन्हें चुनाव आयोग एवं भारत के राष्ट्रपति को सौंपना है, ताकि जनता का सशक्त जनादेश सरकार तक पहुंचे। जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने बताया कि इस अभियान का नेतृत्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी कर रहे हैं, जिन्होंने वोट चोरी और जनादेश की अवहेलना के खिलाफ जनजागरण की पहल की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी जिलों में जिला अध्यक्ष, ब्लॉक और मंडलम स्तर तक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। श्री अवस्थी ने कहा कि जिले से कम से कम एक लाख हस्ताक्षर जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिला कांग्रेस ने गांव-गांव और वार्ड-वार्ड तक पहुंचने की योजना बनाई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह संविधान की रक्षा और भारतीय लोकतंत्र को बचाने की निर्णायक पहल है। जिला कांग्रेस का मानना है कि जब तक जनता खुलकर अपनी भागीदारी नहीं दिखाती, तब तक लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हो रहे हमले नहीं रुकेंगे।

पौधरोपण का 'हरा घोटाला'! नगर परिषद बकहो ने उड़ाए लाखों, पौधे गायब

जाली में ऊगा सिर्फ खरपतवार

नगर परिषद बकहो में सौंदर्यीकरण और हरियाली बढ़ाने के नाम पर बड़ा घोटाला सामने आया है। वर्ष 2024-25 में नगर क्षेत्र और स्टेट हाइवे किनारे पौधरोपण पर करीब 38 लाख रुपये खर्च करने का दावा किया गया था।

अमलाई।

परिषद के जिम्मेदारों ने फोटो खिंचवाकर सुर्खियां जरूर बटोरीं, लेकिन आज हकीकत यह है कि जाली के भीतर पौधों की जगह सिर्फ खरपतवार और झाड़-झंखाड़ उग आए हैं। जबकि पौधरोपण के बाद उन पौधों के देखरेख की जवाबदारी नगर परिषद की थी कम से कम छः माह तक उन पौधों में पानी और खरपतवार की सफाई परिषद को किया जाना चाहिए था। किंतु नगर परिषद बकहो द्वारा ऐसा नही किया गया। जिससे देखरेख के अभाव में सभी पौधे नष्ट हो गए।इतना ही नहीं, कई जगह तो परिषद ने गड्ढे खोदकर उन्हें खाली ही छोड़ दिया। पौधे लगाना तक भूल गए, और वे गड्ढे आज भी जस के तस पड़े हैं, जो इस पूरे अभियान की असलियत बयां कर रहे हैं।गौरतलब है कि पौधरोपण कार्यक्रम प्रधानमंत्री द्वारा चलाए गए विशेष अभियानों में से एक है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति की रक्षा है। लेकिन बकहो नगर परिषद ने इस अभियान की अहमियत को गंभीरता से लेने के बजाय सिर्फ दिखावे, फोटोशूट और शासकीय राशि के बंदरबांट तक सीमित कर दिया। और सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इस राष्ट्रीय अभियान को महत्व देने में परिषद के ही सत्तारूढ़ संगठन के जनप्रतिनिधि पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पौधरोपण नहीं बल्कि एक खुला 'हरा घोटाला' है। जनता ने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

दशहरा में नगर पालिका निकालेगी झांकी, परंपरा को उत्सव में तब्दील करने अध्यक्ष ने निभाई अहम भूमिका

बिरसिंहपुर पाली

नगर के ऐतिहासिक दशहरा पर्व पर राम लक्ष्मण की झांकी निकाल कर रावण दहन की चली आ रही परंपरा जो करोना काल से बंद हो गयी थी, उसे बहाल कराने के लिए नगर पालिका परिषद पाली की अध्यक्ष सुश्री शंकुतला प्रधान ने नगर वासियों की मंशा अनुरूप और शांति समिति की बैठक में उठी मांग के फलस्वरूप झांकी निकालने की जिम्मेदारी उठाई है। विदित होवे की पाली नगर में दशहरा पर्व पर मशहूर राम लीला और दशहरा के दिन रावण दहन की दशकों पुरानी परंपरा पर कोरोना काल में रोक लगा दी गई थी, जो कोरोना काल समाप्त हो जाने के बाद भी बंद चली आ रही थी, जिसको लेकर नगर वासियों की ओर से लगातार राम लखन की झांकी निकालने की मांग की जा रही थी। उल्लेखनीय है की यह पर्व पहले एस ई सी एल के सौजन्य से होता था लेकिन अब एस ई सी एल ने बजट के अभाव में हाथ खड़े कर लिये तब यह पर्व फीका पड़ गया था,। जिसे शुरू कराने के लिए उत्सव धर्मियों में चिंता बनी हुई थी, और हर बार शांति समिति की बैठक में दशहरा पर्व पर झांकी निकालने की मांग रखी जाती रही है, इस बार भी नगर के गणमान्य नागरिकों ने नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष से आशा भरी निगाहों से मांग की गयी थी । शांति समिति की बैठक के पश्चात नगर पालिका परिषद पाली की अध्यक्ष सुश्री शकुंतला प्रधान ने तत्काल नगर पालिका परिषद के पार्षदों की औपचारिक बैठक में सहमति लेकर निर्णय लिया की अब दशहरा में झांकी निकालने की व्यवस्था नगर पालिका करेगी। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष सुश्री शकुंतला प्रधान ने एक नयी शुरुआत कर दशहरा पर्व के खुशी के पलों को बहुगुणित करने का सराहनीय प्रयास किया है, नगर पालिका परिषद पाली के इस कदम से नगर में खुशी की लहर दौड़ गयी है और लोगों ने सत्य के प्रतीक इस पर्व पर खुशी का इजहार करते हुए सुश्री शकुंतला प्रधान को हार्दिक शुभकामनाएं दी है, साथ ही नगर पालिका परिषद के सम्मानीय पार्षदों के प्रति आभार व्यक्त किया है जिन सबके सहयोग से दशहरा पर्व की विलुप्त हो चली परंपरा को जीवंत बनाने में भूमिका निभाई है।

सड़क पर बिछी पाइप लाइन बनी खतरा दोपहिया चालक आए दिन गिर रहे

बरगवा-अमलाई ।

नगर परिषद बरगवा-अमलाई की लापरवाही से वार्डवासियों की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। ज्ञान हार्डवेयर के सामने हाल ही में बिछाई गई पाइपलाइन सड़क के ऊपर आ जाने से दुर्घटनाओं का खतरा मंडरा रहा है। इस पाइपलाइन पर दोपहिया वाहन चालक अक्सर फिसलकर गिर रहे हैं, जिससे अब तक कई लोग घायल हो चुके हैं। स्थानीय नागरिकों ने नगर परिषद से तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है।वार्ड क्रमांक 6, 7, 8 और 9 के निवासियों ने नगर परिषद पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन वार्डों में अब तक न तो पानी की व्यवस्था की गई है, न ही स्ट्रीट लाइट और न ही सड़क निर्माण का कार्य हुआ है।क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि जल्द ही पेयजल, स्ट्रीट लाइट और सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, तो सभी वार्डवासी मिलकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी है कि इस स्थिति की पूरी जिम्मेदारी नगर परिषद की होगी।

चल समारोह, जगराता की लेनी होगी अनुमति डीजे पूर्णतः रहेगा प्रतिबंध, थाना प्रभारी

नवरात्रि, दशहरा,गरबा पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन

बुढार।

शारदेय नवरात्र, दशहरा गरबा के होने वाले आयोजन को लेकर रविवार को थाने में शांति समिति की बैठक में जैतपुर विधायक जय सिंह मरावी, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी, राष्ट्रपति पुरुस्कृत शिक्षक शिवेंद्र द्विवेदी,थाना प्रभारी संजय जायसवाल के आतिथ्य में आयोजित की गई।

थाना प्रभारी संजय कुमार जायसवाल ने शांति समिति के पदाधिकारियों एवं दुर्गा समिति के अध्यक्षों से आग्रह करते हुए कहा कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार नगर के सभी समितियों को पंडाल में विधुत कनेक्शन अस्थाई रूप लेकर ही कोई आयोजन करें साथ ही उच्च न्यायालय के आदेशानुसार डीजे साउण्ड पूर्णतः प्रतिबंधित है, निर्धारित 60 डिसेबल से अधिक का प्रयोग न करें,गरबा,जागरता, एवं चल समारोह कार्यक्रम के लिए एसडीएम की अनुमति पूर्व से होना अनिवार्य है, एवं प्रतिमाओं की साइज भी निर्धारित रहें जिससे विसर्जन करने में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो।

नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने पुलिस से आग्रह करते हुए कहा कि नवरात्रि पर्व के दौरान नगर में भीड़ भाड़ रहेंगी जिसे देखते हुए नगर में हाथ ठेला में व्यापार करने वाले को राम जानकी मंदिर के समीप चौपाटी में खड़ा करने की व्यवस्था की जाये।

बैठक में पुष्पेन्द्र ताम्रकार,सोनू आहुजा, आशीष नामदेव, पंकज शर्मा, अभिषेक इब्रहिम,अर्जून सोनी, सुमित्रा नामदेव,सविता सिंह, काजल सरावगी, अनामिका सिंह, गीता प्रजापति, मोहन बैगा, कन्हैया सोनी, नीरज शुक्ला,अशूतोश तिवारी, शंकर लाल, विनोद पाठक अजय गुप्ता सहित भारी संख्या में उपस्थित रहे।

भारत-पाकिस्तान मैच से पहले जमकर मुंडन कराकर जताया गुस्सा

शहडोल। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच आज होने वाले दूसरे मुकाबले से पहले शहडोल में एक अनोखा विरोध देखने को मिला। यहां आबिद नाम के एक युवक ने अपने गुस्से और आक्रोश को अनूठे अंदाज में व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए जवानों को लेकर केंद्र सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए देशभर में लोगों ने पहले मैच के बाद कड़ी प्रतिक्रियाएं दी थीं। इसी क्रम में शहडोल निवासी आबिद ने पहले ही मैच से पहले गुस्से में आकर अपना टीवी तोड़ दिया था, लेकिन उसका आक्रोश यहीं नहीं थमा। आज भारत-पाकिस्तान के बीच दूसरा मुकाबला होने से पहले वह कुछ साथियों के साथ जिला संयुक्त कार्यालय के सामने पहुंचा। प्रशासन द्वारा धरना-प्रदर्शन के लिए चिन्हित स्थल पर उसने क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, उसने साउंड बॉक्स लगाकर

जोरदार विरोध किया और अपनी नाराजगी जाहिर की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग वहां रुककर उसे देखते रहे। आबिद का गुस्सा क्रिकेट खेलने तक सीमित नहीं रहा। विरोध को और गहरा करने के लिए उसने अपना मुंडन करवा लिया और बाल उतरवाकर साफ संदेश दिया कि वह इस मुद्दे को हल्के में नहीं लेना चाहता। उसने कहा कि शहीदों के बलिदान को दरकिनार कर किसी भी तरह से खेल का आयोजन करना गलत है। यह हमारे जवानों के अपमान के बराबर है। आबिद का यह विरोध अब चर्चाओं का विषय बना हुआ है। खास बात यह है कि मुस्लिम समुदाय से जुड़े एक युवक के द्वारा इस तरह का विरोध किए जाने को लोग सराह रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उसने देशभक्ति की मिसाल पेश की है और जाति-धर्म से ऊपर उठकर सैनिकों के सम्मान में आवाज बुलंद की है। आबिद के समर्थन में धीरे-धीरे लोग जुटने लगे हैं और यह मामला अब व्यापक रूप लेता जा रहा है। विरोध के इस अनोखे तरीके ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। कई लोगों का कहना है कि सरकार को जनता के इस गुस्से को गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि शहीदों के सम्मान से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। शहडोल में हुए इस अनोखे विरोध ने न सिर्फ सरकार को सोचने पर मजबूर कर दिया है बल्कि आम जनता के बीच भी चर्चा छेड़ दी है कि आखिरकार देश की असली प्राथमिकता क्या होनी चाहिए।

शव वाहन सेवा के दावे फेल, जिला अस्पताल में गरीब परिवार बेहाल

शहडोल।

जिला अस्पताल में रविवार को एक गरीब परिवार की बेबसी और प्रशासन की संवेदनहीनता ने 24 घंटे निःशुल्क शव वाहन सेवा की पोल खोल दी। ग्राम टेंघा केशवाही निवासी अगसिया कुशवाहा पति श्यामकरण कुशवाहा की मौत अस्पताल में हो गई। डॉक्टरों ने सुबह 10:40 बजे मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया, लेकिन शव वाहन की सुविधा घंटों इंतजार के बाद भी उपलब्ध नहीं कराई गई। अस्पताल परिसर में खड़ी एंबुलेंस पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था—24 घंटे निःशुल्क शव वाहन सेवा, मगर यह नारा उस समय गरीब परिवार के लिए मजाक बन गया। परिजन तपती धूप में शव के साथ बैठे रहे, भूखे-प्यासे इंतजार करते रहे और घर पर रिश्तेदार शव का इंतजार करते रहे।

जिम्मेदारों की खोखली बातें

परिजनों ने जब शव वाहन की मांग की तो उन्हें बार-बार टाल दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने तुरंत व्यवस्था का भरोसा दिया, वहीं सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ ने आधे घंटे में सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। लेकिन दोनों ही वादे हवा साबित हुए। समय गुजरता गया, और परिजनों की पीड़ा बढ़ती गई।

संवेदनहीन प्रशासन

जिला अस्पताल शहर के उस इलाके में स्थित है जहां कलेक्टर कार्यालय, पुलिस अधीक्षक का दफ्तर और विधायक का निवास भी है। बावजूद इसके किसी जिम्मेदार ने परिवार की मदद करना उचित नहीं समझा। गांव से आए परिजनों का कहना था कि मौत ने पहले ही उन्हें तोड़ दिया था, लेकिन शव वाहन न मिलने की लापरवाही ने उन्हें और ज्यादा आहत कर दिया।

सवालों के घेरे में व्यवस्था

हर साल स्वास्थ्य विभाग के नाम पर करोड़ों का बजट खर्च होता है। एंबुलेंस पर दावे लिखे जाते हैं, अधिकारी अपनी जिम्मेदारी के दम पर वेतन और सुविधाएं उठाते हैं, लेकिन जब असल जरूरत होती है, तब पूरा सिस्टम फेल साबित होता है। यह स्थिति बताती है कि गरीबों को न जीते जी सम्मान मिलता है, न मरने के बाद।

मानवता शर्मसार

अस्पताल परिसर में शव के साथ बैठे परिवार ने सवाल उठाया, जब जिला अस्पताल जैसी जगह पर शव वाहन सेवा ठप है तो गांव-कस्बों में इसका क्या हाल होगा? उनकी आंखों के आंसू और चेहरे की बेबसी प्रशासन की असंवेदनशीलता की गवाही दे रहे थे। रविवार का यह वाकया केवल एक परिवार का दर्द नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की नाकामी का आईना है। योजनाओं के नाम पर बजट तो खपाया जाता है, लेकिन सुविधाएं धरातल पर नहीं उतरतीं। यह घटना साफ दिखाती है कि संवेदनशीलता और जवाबदेही, दोनों ही शासन-प्रशासन की प्राथमिकताओं से गायब हो चुकी हैं।

तहसील अधिवक्ता संघ चुनाव में समीकरण बैठाने में जुटे प्रत्याशी

अध्यक्ष पद को लेकर बढ़ी मशक्कते पूरे चुनाव में एक ही महिला होने का मिल सकता है लाभ

भबिरसिंहपुर पाली तहसील अधिवक्ता संघ के चुनाव में नामांकन दाखिल होने की अंतिम तिथि के बाद अध्यक्ष पद के लिए पांच दावेदारों ने चुनाव मैदान में उतर कर चुनाव को बहू कोणीय बना दिया है। अध्यक्ष पद के लिए सुदामा प्रसाद विश्वकर्मा, सुशांत सक्सेना, बिजेश उपाध्याय, आत्मा राम अवधिया, और राजेन्द्र प्रताप सिंह अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतरकर जीत के समीकरण बनाने में लगे हुए हैं। इस पद के लिए चुनाव मैदान में उतरे दावेदारों में सुदामा प्रसाद विश्वकर्मा और आत्मा राम अवधिया के व्दारा पूर्व में इस आसंदी में सुशोभित रह चुके हैं और इन दोनों प्रत्याशियों को पिछले चुनाव में पराजय का मुंह भी देखना पडा था, जबकि सुशांत सक्सेना जी इसके पहले सचिव पद की कुर्सी परआसीन रह चुके हैं और निवृतमान संघ में इसी दायित्व पर रहकर अध्यक्ष पद के लिए सघर्ष रत है, बाकी के दो उम्मीदवार बिजेश उपाध्याय और राजेन्द्र प्रताप सिंह अधिवक्ता संघ चुनाव में पहली बार दांव लगाकर चुनाव को संघर्ष पूर्ण बना दिये है। यद्यपि नाम निर्देशन वापस लेने की तिथि अभी बाकी है, फिर भी किसी भी अभ्यथी के दावेदारी वापसी की उम्मीद कम ही दिखाई दे रही है। इस चुनाव मे एक ही बैंच और एक ही दोणाचार्य के शिष्यो के चुनाव लड़ने का खेल भी इस चुनाव में देखने को मिल रहा है। यह पहला अवसर है जबकि लोकतंत्र के सबसे जागरूक चुनाव में पाली जैसे छोटे से स्थान में ऐसी बिषम परिस्थितियों को देखने में आया है। अध्यक्ष पद के इस चुनाव में ताज किसके सिर होगा, यह कह पाना तो अभी कठिन ही है फिर भी सभी अभ्यर्थियों ने जोड -तोड़ के समीकरण बैठाने में लग गये हैं, विद्वान अधिवक्ताओं से मेल मिलाप का दौर शुरू कर दिया गया है। संघ के बाकी पदों के लिए दो- दो अभ्यर्थियों के होने से चुनाव आमने- सामने का बन गया है। जिसके कारण चुनाव में अपने अपने सर्मथकों के मतो की हिस्सेदारी देखी जा रही है। उपाध्यक्ष के चुनाव में राजेश त्रिपाठी और अजय शिवहरे के बीच सीधे चुनाव में है और दोनों अभ्यथी तहसील परिसर से हैं, जहाँ पर अपने अपने सर्मथकों को सीधे तौर पर हासिल करने का माद्दा रखते हैं, इनमें जो न्यायालीन परिसर में जितनी अधिक सेंध लगाने में सफल होगा वह अपनी जीत की राह आसान कर लेगा। सचिव पद पर भी दो उम्मीदवार मैदान में उतरे हैं जिनमें अरविंद गुप्ता और अमर सिंह इस बार जंग को कठिन बना कर रख दिया है, दोनों सह राशिय उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला अब मतदाताओं के हाथ में आकर टिका हुआ है। कोषाध्यक्ष के चुनाव को दो साजातीय बंधुओं ने कशमकश बना कर रख दिया है, मालुम होवे की कोषाध्यक्ष के चुनाव में चंद्र दत्त गुप्ता और कमल नारायण सिंह आमने सामने खड़े होकर चुनाव को एक अलग ही

पुट दे रहे हैं।सह सचिव के पद के लिए राम जी गुप्ता और बंसत तिवारी के बीच मुकाबले में बने हुए है। पुस्तकालय प्रभारी पद पर राम प्रकाश विश्वकर्मा और श्रीमती आरती सराफ के बीच चुनाव होना है। इस चुनाव की एक ही खासियत है कि सभी पदों के चुनाव में सिर्फ एक ही महिला अभ्यर्थी श्रीमती आरती सराफ ही, जिस वजह से इनका पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है। माना जाता है कि इन्हें महिलाओं के साथ ही इनकी टीम का पूरा सहयोग मिलता दिखाई दे रहा है जिससे प्रतीत होता है कि पूरे चुनाव में सिर्फ एक महिला प्रत्याशी होने के कारण सभी लोग उनके सम्मान को आगे बढाने का काम कर सकते हैं । तहसील अधिवक्ता संघ के चुनाव की इस बहु कोणीय चुनाव की बिसात बिछ गयी है और इस चुनाव में शतरंज के खेल में कौन बाजी मार ले जायेगा कह पाना कठिन बना हुआ है।कार्य कारणी बनी निर्विरोधतहसील अधिवक्ता संघ पाली में एक सुंदर और सुखद बात यह देखने को मिली की पांच सदस्यीय कार्य कारणी निर्वरोध बन गयी है, यह संकेत अधिवक्ताओं के बीच एकता और समाजस्य की खुबसुरती को बिखेर कर रख दिया है। कार्यकारणी में आशिक हुसैन , दिलीप महरा, राजकुमार दाहिया योगेश बैजवानी, अशोक कुमार चर्तुवेदी जी बिना चुनाव लडे ही बाजी जीत गयें है। कार्य कारणी सदस्यों के बीच बिना चुनाव बनने से अधिवक्ताओं के बीच एकता की एक बेहतर मिशाल कायम किया है, जिसकी समाज के सभी वर्गों में सराहना की जा रही है ।

खबर संक्षेप

ग्रामीणों ने की चरनोई भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग

डिंडौरी। जनपद पंचायत समनापुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत प्रेमपुर के खुड़िया स्कूल टोला में गांव के गौचर गौठान चरनोई भूमि को गांव के कुछ दबंगों के द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया हैं। जिससे परेशान होकर गांव के कुछ ग्रामीणों ने चरनोई भूमि से अतिक्रमण हटाने की आवाज उठाई और हल्का पटवारी से चरनोई भूमि से अतिक्रमण हटाने की बात रखें ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी अनुसार हल्का पटवारी 20 सितंबर को मौका स्थल पर पहुंच कर राजस्व रिकार्ड अनुसार मौके का चिन्हांकन कर पंचनामा तैयार कर कागजी कार्रवाई उच्चाधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करने का आश्वासन दी गई हैं। प्रदेश सरकार के नियमानुसार प्रत्येक गांव में दो प्रतिशत भूमि चरनोई के नाम पर छोड़ी गई हैं। परंतु किसी भी गांव में चरनोई भूमि उपलब्ध नहीं हैं। क्योंकि अधिकांश भूमि में अतिक्रमण किया जा चुका हैं। जिससे पशुपालकों को मवेशी चराने के लिए जगह ही नहीं बची हैं। चरनोई भूमि के साथ नदी नाले तक में अतिक्रमण हो चुके हैं। जिस वजह से मवेशियों को पीने का पानी तक नहीं मिल पा रहा हैं। कुछ जगह तो नाले तक गायब हो गए हैं। इसके साथ ही नदी की चौड़ाई तक कम कर दी गई हैं। आधे नदी में अतिक्रमणकारियों द्वारा खेती की जा रही हैं। इस वजह से पशुपालन से किसानों का मोहभंग होते जा रहा हैं। जबकि शासन द्वारा कृषकों को पशुपालन में प्रोत्साहन स्वारूप 25% तक का अनुदान देने का प्रावधान रखा गया हैं। जिस संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा अपने हर मंच से इस महत्वपूर्ण योजना का ऐलान किया जा रहा हैं। नदी, नाले एवं चरनोई भूमि अतिक्रमण मुक्त होने से किसानों को पशुपालन की ओर लौटने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता हैं। जिससे क्षेत्र में दुग्ध उत्पादन एवं जैविक खेती को भी बल मिलेगा। ऐसे भी शासकीय भूमि का बंदरबांट किया जा रहा हैं। शासकीय भूमि का बटांकन कर निजी नामों में दर्ज कर दिया गया हैं। साथ ही रकवा भी बढ़ा दिया गया हैं। अब नए पटवारी सीमांकन करवाने जाएंगे तो स्वाभाविक विवाद, लड़ाई, झगड़ा एवं मारपीट होगा ही जिससे किसानों की समस्या दिनों दिन बढ़ते ही जा रही हैं। किसानों की समस्या के निराकरण तभी होगा जब चरनोई भूमि के साथ शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त हो जाये।

पीएम उषा योजना अंतर्गत प्रमाण पत्र वितरण समारोह सम्पन्न

डिंडौरी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय चंद्र विजय पीजी कॉलेज डिंडोरी में पीएम उषा योजना के अंतर्गत संगीत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण समारोह का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि संगीत आत्मिक शांति प्रदान करता है तथा मनुष्य को स्फूर्ति से भर देता है। उन्होंने कहा कि युवाओं ने सफलतापूर्वक संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है, जो भविष्य में वार्षिक समारोह एवं अन्य सांस्कृतिक आयोजनों में अपनी कला का प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन करेंगे और जिले में अपनी अलग पहचान बनाएंगे। समारोह की अध्यक्षता कर रहे डॉ. बेलिया ने कहा कि संगीत की परम्परागत एवं पाश्चात्य शैली मानसिक आत्मविश्वास को बढ़ाती है, जो शिक्षा एवं जीवन में सफलता दिलाने का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि महाविद्यालय का चयन पीएम उषा योजना के लिए होना गर्व की बात है। संगीत विधा प्रभारी डॉ. विजलेश धुर्वे ने प्रशिक्षण को रोजगारपरक, आत्मनिर्भरता और स्वस्थ जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि आज वितरित किए गए प्रमाण पत्र विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ प्रदान किए गए हैं इस अवसर पर श्री एस.के. शर्मा, जिला समन्वयक ने योजनाओं का विस्तार से वर्णन करते हुए विद्यार्थियों को उनकी उपयोगिता समझाई।कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन संगीत विधा प्रभारी डॉ. धुर्वे द्वारा किया गया। समारोह में महाविद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अन्य जिलों की तरह अनूपपुर में भी नवरात्रि में प्रतिबंध की मांग

पवित्र नगरी की पवित्रता बनाये रखने जिले में नॉनवेज पर लगे 'प्रतिबंध'

नर्मदा उद्गम अमरकंटक का भी देश के धार्मिक स्थलों में है प्रमुख नाम

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज, आस्था का हो सम्मान

आज से शुरू हो रहे नवरात्रि पर्व पर प्रदेश के धार्मिक नगरी मैहर, उमरिया, देवास सहित इंदौर व भोपाल मे मांस-मछली और अंडे की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है। 22 सितम्बर से 2 अक्टूबर यानी 11 दिनों तक मांस, मछली और अंडे की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया गया है। चूंकि अमरकंटक भी धार्मिक, आध्यात्मिक व आस्था की नगरी है जहां नवरात्र के समय श्रद्धालुओं व भक्तों की भारी भीड़ इकट्ठा होती है, इस लिहाज से यहां भी नवरात्र के दौरान ऐसे प्रतिबंध की मांग जिलेवासी कर रहे हैं।

आस्था के सम्मान में आवश्यक

पर्व के दौरान सुबह से रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ अमरकंटक क्षेत्र में उमड़ती है। मंदिर प्रांगण और अमरकंटक की गलियों सहित पूरे जिले में भक्ति भाव का वातावरण रहता है। ऐसे में किसी भी प्रकार की गतिविधि, जिससे धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचे या वातावरण दूषित हो, उसे रोकने के लिए जिला प्रशासन को यहां भी कदम उठाया जाना चाहिये। प्रशासन श्रद्धालुओं की भावनाओं और धार्मिक माहौल की मर्यादा बनाए रखने के लिए ये फैसले लेता है, जो भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत उठाए जाते हैं। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया जाता है। नवरात्रि के दौरान मांसाहारी भोजन न खाने की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा भी इस तरह के प्रतिबंधों का एक महत्वपूर्ण कारण है। जिलेवासियों का मानना है कि यह कदम धार्मिक आस्था का सम्मान करने और नवरात्रि के पवित्र माहौल को बनाए रखने के लिए उठाया जाना आवश्यक है।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज

आज से नवरात्रि प्रारंभ, 02 अक्टूबर को दशहरा (विजयादशमी) एवं 20 अक्टूबर को दीपावली के दौरान जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था कायम रखने को दृष्टिगत रखते हुए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संयुक्त कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में आज शाम 5 बजे से आयोजित की गई है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय ने सर्व संबंधितों से बैठक में उपस्थित होने को कहा है। बैठक मे नवरात्रि के दौरान जिले मे मांस, मछली और अंडे की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया जाना चाहिये।

शराबबंदी के 19 धार्मिक स्थलों मे अमरकंटक भी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने धार्मिक आस्था और श्रद्धा वाले क्षेत्रों की पवित्रता बनाए रखने के उद्देश्य से 1 अप्रैल 2025 से नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक सहित उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, मंडलेश्वर, ओरछा, मैहर, चित्रकूट, दतिया, पन्ना, मंडला, मुलताई, मंदसौर, सलकनपुर, कुंडलपुर, बांदकपुर, बरमानकलां, बरमानखुर्द और लिंगा (19) धार्मिक शहरों और ग्राम पंचायतों में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया था। इस ऐतिहासिक फैसले के तहत, इन क्षेत्रों में सभी शराब की दुकानें और बार पूरी तरह से बंद कर दिए गये। यह प्रतिबंध पवित्र स्थानों की पवित्रता बनाए रखने और आध्यात्मिक महत्व वाले क्षेत्रों में शराब के सेवन को हतोत्साहित करने के लिए लिया गया था। इस आदेश का संतों ने भी स्वागत किया था। ऐसे मे यहां नॉनवेज पर प्रतिबंध लाजिमी है।

कोतमा में मालगाड़ी के 3 डिब्बे पटरी से उतरे

आंशिक यातायात प्रभावित, हादसे के कारणों का लगाया जा रहा पता

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के कोतमा स्टेशन के पास शनिवार की देर रात कोयला लोडिंग के लिए जा रही मालगाड़ी के 3 डिब्बे अचानक पटरी से उतर गये, जिसमें डिब्बे पलट गए। हादसे की जानकारी लगते ही रेलवे विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर एक लाईन साफ कर यातायात रात में ही शुरू कर दिया था अभी कार्य चालू हैं। जानकारी अनुसार जिले के कोतमा स्टेशन के पास शनिवार रात करीब 11:30 बजे गोविंदा सायडिंग के लिए जा रही कोयले से भरी मालगाड़ी अचानक पटरी से उतर गई। हादसे में मालगाड़ी के 3 डिब्बे पूरी तरह पलट गए। हादसा कोतमा स्टेशन से सौ मीटर की दूरी पर हुआ, जहां रात में ही लोगो का हुजूम लग गया। घटना की जानकारी पर रेलवे विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं मरम्मत कार्य शुरू कर कुछ ही देर में एक लाईन से मलबा हटाते हुए प्रारंभ कर दिया। इस दौरान किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं हैं। रेलवे प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अंबिकेश साहू ने बताया कि शनिवार की रात में मालगाड़ी डिरेल हो गई थी, मौके पर टीम पहुंचकर एक लाइन को क्लियर कराया, अभी कार्य जारी है शीघ्र ही पूरा कर यातायात सुचारू रूप से प्रारंभ हो जाएगा। इसमें कोई जनहानि नही हुई है।

अमरकंटक में बंदरों का बढ़ता आतंक

लाल और काले मुंह के बंदरों की बढ़ती संख्या से जनजीवन हो रहा प्रभावित

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक, जहाँ नर्मदा, सोन और माई की बगिया जैसी आस्था स्थली स्थित हैं, इन दिनों एक नई समस्या से जूझ रही है। यहाँ लाल और काले मुंह वाले बंदरों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। बंदरों का झुंड मंदिर परिसरों, आवासीय क्षेत्रों और पर्यटक स्थलों में बेधड़क घूम रहा है, जिससे आम नागरिकों और श्रद्धालुओं का जीवन प्रभावित हो रहा है।

लगातार शिकायतें दर्ज

वन विभाग के अनुसार, सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर हाल ही में दर्जनों शिकायतें आई हैं। इनमें बंदरों द्वारा लोगों को घायल करने, घरों से भोजन सामग्री चुराने और पर्यटकों को

डराने जैसी घटनाएं प्रमुख हैं। बंदरों की बढ़ती संख्या लोगों की सुरक्षा और शांति दोनों के लिए चुनौती बन रही है।

अब स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी

गौरतलब है कि वर्ष 2022 में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 में संशोधन के बाद लाल मुंह वाले बंदरों को अनुसूची से बाहर कर दिया गया है। पहले इनको पकड़ना वन विभाग का दायित्व था, लेकिन अब यह जिम्मेदारी स्थानीय निकायोंकृ नगर परिषद, नगर निगम और ग्राम पंचायतों पर है। वन विभाग के उप सचिव द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि बंदरों को पकड़ने के लिए वन विभाग की अनुमति आवश्यक नहीं। कार्यवाही स्थानीय निकाय व प्रशिक्षित संस्थाओं के सहयोग से की जा सकती है। कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी आवश्यक कदम उठाने के लिए अधिकृत हैं। वन विभाग ने प्रशासन को चेताया है कि लोगों के जीवन और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तुरंत कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि अमरकंटक आने वाले पर्यटक और स्थानीय लोग दोनों राहत की सांस ले सकें। यदि समय रहते प्रभावी कदम न उठाए गए तो बंदरों की बढ़ती संख्या धार्मिक नगरी की शांति और पर्यटन दोनों पर असर डाल सकती है।

सेवा पखवाड़ा में स्व सहायता समूह कर रहे विविध गतिविधियां

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

सेवा पखवाड़ा के दौरान जिला कलेक्टर हर्षल पंचोली के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्व सहायता समूहों द्वारा विविध गतिविधियों के माध्यम से अभियान में सक्रिय भागीदारी का निर्वहन किया जा रहा है। इन गतिविधियों का उद्देश्य समाज में स्वच्छता, स्वास्थ्य और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। स्व सहायता समूह के सदस्य स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चला रहे हैं। अभियान के दौरान समूह सदस्यों द्वारा ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संगठनों के कार्यालयों की साफ सफाई की जा रही है तथा स्वच्छता शपथ, सिंगल यूज़ प्लास्टिक उन्मूलन शपथ भी ली जा रही है। साथ साथ स्व सहायता समूहों द्वारा पोषण अभियान में भी माननीय प्रधानमंत्री जी के आव्हान पर सक्रिय भागीदारी निभाते हुये मोटापे से मुक्ति और खाद्य तेल के उपयोग को कम करने के के लिये सभी को जागरूक कर रही हैं, ताकि सभी का स्वास्थ्य बेहतर हो। स्व सहायता समूह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए काम कर रहे हैं। सेवा पखवाड़ा के दौरान स्व सहायता समूह की इन गतिविधियों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है और लोगों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। शिक्षण संस्थाओं में स्वास्थ्य रक्षा, स्वच्छता जागरूकता, नशामुक्ति तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। किसी अनुक्रम में शनिवार को मॉडल स्कूल कोतमा तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुष्पराजगढ़ के विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय परिसर की साफ सफाई कर स्वच्छता व पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक गण उपस्थित रहे।

अस्थाई कनेक्शन लेकर ही करें साज-सज्जा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। आज से शारदेय नवरात्रि के प्रारम्भ हो रहा है। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के मां दुर्गा के पंडालों के लिए अस्थायी कनेक्शन देने के लिए विद्युत वितरण कंपनियों ने माकूल प्रबंध किए हैं। वितरण केन्द्र अनूपपुर शहर व ग्रामीण के कनिष्ठ अभियंताओं ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे नवरात्रि के पर्व में दुर्गा मां के पंडालों एवं झाँकियों में बिजली से साज-सज्जा, नियमानुसार ऑनलाइन अस्थाई कनेक्शन लेकर ही करें। अस्थाई कनेक्शन लेने के लिये बिजली कंपनी के एप स्मार्ट बिजली पर जाकर निर्धारित प्रपत्र में सही, संयोजित विद्युत भार को दर्शाते हुए अस्थायी कनेक्शन के लिये ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करते हुये एक कापी कार्यालय को देवें। लायसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट आवेदन में संलग्न करें एवं वायरिंग इत्यादि लायसेंस धारी विद्युत ठेकेदार से ही करवाएं। आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि अग्रिम जमा कराकर बिजली कंपनी से अस्थाई कनेक्शन की रसीद लें। रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल झांकी के सामने लगाएं। आवेदित विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग विद्युत साज-सज्जा के लिए न करें। विद्युत कनेक्शन मीटरीकृत होगा एवं विद्युत देयक की बिलिंग नियमानुसार अस्थायी कनेक्शन के लिये लागू दर पर की जाएगी। झांकियों के निर्माण एवं विद्युत साज-सज्जा में सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। अनाधिकृत तरीके से विद्युत का उपयोग न करें एवं विद्युत लाइनों के नीचे पण्डाल न बनाएं तथा पूरी सतर्कता के साथ विद्युत का उपयोग करें।

अनूपपुर में न्यू जोन पावर प्लांट: ग्रामीणों की आपसी चर्चा में उजली उम्मीद

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

रक्सा और कोलमी गांव की गलियों, आँगनों और बरगद तले बैठकों में इन दिनों एक ही चर्चा है न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का पावर प्लांट और उसका हमारे जीवन पर असर। बड़े-बुजुर्ग, महिलाएं, नौजवान और किसान मिलकर यह तय कर रहे हैं कि गांव का भविष्य कैसे बेहतर बनाया जाए।

कक्का का सवाल "कंपनी आई तो हमें क्या मिला

कक्का ने गंभीर स्वर में पूछा बरसों से सरकारें आती-जाती रहीं, लेकिन हमारी सुध किसी ने नहीं ली। अब कंपनी आई है, तो हमें क्या मिला। सिर्फ बातें या सच में कुछ होगा।

घसीटा ने थोड़ा मुस्कुराते हुए कहा,

कक्का भाई, मुआवजा तो मिला है, पर असली सवाल यह है कि हम इसका कैसे इस्तेमाल करें। कंपनी सिर्फ पैसे देने आई नहीं है, बल्कि गांव के विकास में मदद करने भी आई है। हमें धैर्य रखना होगा।

एक बुजुर्ग ने जोड़ते हुए कहा,

बेटा, सही कहा घसीटा ने हमें अब समझदारी से कदम उठाने होंगे, ताकि गांव का चेहरा बदले और हमारे घर, बच्चे और बुजुर्ग खुशहाल रहें।

घसीटा का सवाल "युवाओं का भविष्य कहां है

घसीटा ने सवाल उठाया हमारे नौजवानों के लिए रोजगार क्या मिलेगा। अगर प्लांट शुरू होता है तो गांव के युवा बाहर नौकरी के लिए पलायन नहीं करेंगे न।

कक्का ने सहमति जताई,

हां, यही चिंता है। हमें देखना होगा कि युवा कैसे स्किल सीखें और अपने ही गांव में काम कर सकें। अगर हम बहकावे में आए तो यही मौका खो देंगे।

एक युवा ने उत्साह में कहा,

धैर्य और तालमेल से काम लें, तो यह मौका हमारे लिए सुनहरा साबित होगा। प्लांट से रोजगार मिलेगा और अभी रोजगार उपलब्ध कराया गया जिससे खाली बैठे लोगों को काम में लगाया गया है और पलायन की मजबूरी खत्म होगी।

कक्का "कंपनी सुख-दुख में साथ होगी

कक्का ने गंभीर स्वर में कहा "आज मुआवजा मिल गया, पर कल अगर किसी को संकट आया तो क्या कंपनी हमारे साथ खड़ी होगी।

घसीटा ने जवाब दिया,

"कक्का भाई, कंपनी ने साफ कहा है कि यह सिर्फ उद्योग नहीं, बल्कि गांव की साझीदार है। स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं में योगदान दिया जाएगा। हमें सहयोग करना होगा और उनका भरोसा बनाना होगा।

एक बुजुर्ग ने समझाया,

सच है। अगर हम समझदारी से काम करेंगे, तो बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों की सुविधा और महिलाओं की मदद सब संभव है।

घसीटा "प्लांट लगने के बाद गांव का चेहरा कैसा होगा

घसीटा ने उत्सुकता जताते हुए पूछा "अगर प्लांट लग गया, तो हमारे गांव में बदलाव कैसा दिखेगा।

कक्का ने जवाब दिया,

सोचिए, जहां अब धूल और अंधेरा है, वहां सड़कें, बिजली और बाजार की रौनक आएगी। छोटे दुकानदारों को फायदा होगा, और गांव का जीवन स्तर सुधरेगा।

एक महिला ने कहा,

"हमारे बच्चों के लिए अच्छे स्कूल, बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं और महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता यह सब संभव होगा।

कक्का "कुछ लोग बहका रहे हैं, क्या सच है

कक्का ने चिंता जताई "कुछ लोग कह रहे हैं कि कंपनी आएगी तो नुकसान होगा। हमें भ्रम में डाल रहे हैं। क्या यह सच है।

घसीटा ने गंभीरता से कहा,

यह अफवाहें हैं। हमने मुआवजा ले लिया है, अब आगे बढ़ना ही समझदारी है। हमें बहकावे में नहीं आना है, बल्कि गांव और बच्चों के भविष्य के लिए सहयोग करना है।

सभी ग्रामीण एक स्वर में बोले

अब हम किसी के बहकावे में नहीं आएंगे। यही समझदारी है।

चौरंगी लाल का सवाल "हमारे बच्चों का भविष्य क्या होगा

चौरंगी लाल ने अंतिम सवाल उठाया "हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे हमसे बेहतर जीवन जिएं। इसके लिए हमें क्या करना चाहिए।

कक्का ने कहा,

हमें बच्चों को पढ़ाई-लिखाई, खेलकूद और अच्छे संस्कार देने होंगे। उन्हें सपने देखने दें और पूरा करने का मौका भी।

घसीटा ने कहा,

प्लांट आने के बाद यह सब संभव होगा। हमें धैर्य और समझदारी से काम लेना होगा। बच्चियों और बेटों दोनों को बराबरी का मौका देना ही सही रास्ता है।

ग्रामीणों की आपसी समझ और नया सवेरा

गांव की यह चर्चा सिर्फ सवाल-जवाब तक सीमित नहीं रही। लोगों ने महसूस किया कि पावर प्लांट उनके गांव के लिए नए युग का दरवाजा खोल रहा है।

कक्का ने अंत में कहा,

बरसों बाद किसी ने हमारी सुनी। हमने मुआवजा ले लिया, अब हमें मिलकर काम करना चाहिए। आने वाले सालों में जब गांव में सड़कें, बाजार और रोशनी होगी, तब सब समझेंगे कि यह फैसला कितना बड़ा था।

घसीटा ने मुस्कुराते हुए कहा,

अब हमें अपने बच्चों, अपने घरों और गांव के लिए सोचकर आगे बढ़ना है। विकास का रास्ता यही है, और हमें साथ मिलकर इसे सफल बनाना है। गांव की गलियों और आँगनों में लौटते वक्त हर किसी के मन में यही भावना थी अब बदलाव का समय है, और हम अपने ही हाथों से इसे संभव बनाएँगे।

विकलांग छात्रावास में खराब खाने से बिगाड़ रही बच्चों की तबियत

शिकायत पर वार्डन का बेतुका व अपमानजनक जवाब

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला मुख्यालय स्थित वार्ड नंबर 9 के विकलांग छात्रावास का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जहां आरोप है कि छात्रों को खराब खाना परोसे जाने से कुछ छात्रों की तबीयत बिगड़ गई।

वीडियो में यह भी कहा गया कि जब वार्डन से अच्छा भोजन देने की मांग की गई तो उसने अपमानित करते हुये जवाब दिया कि "यही मिलेगा, खाना है तो खाओ" नहीं तो अपने बाप से मंगाओ"। वायरल वीडियो मे खाना खाने के दौरान छात्रों ने कहा कि आलू राजमा की सब्जी और रोटी दिया गया था जिसमे राजमा की सब्जी खराब हो गई थी, वही छात्रावास के शिक्षक ने वीडियो मे कहा कि खराब राजमा की सब्जी खाने से बच्चों को उल्टी दस्त शुरू हो गई। खराब खाने के बारे मे वार्डन से शिकायत करने पर उनके द्वारा बेतुका जवाब देते हुये घर से खाना ले आने को कहा जाता है। नाश्ता मे भी कोताही बरती जाती है। जिस कारण बच्चे घर जाने को मजबूर हो रहे हैं उनका छात्रावास से मोहभंग हो रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि हरिभूमि नही करता, लेकिन वीडियो मे छात्रों व शिक्षक द्वारा लगाये गये आरोप काफी गंभीर हैं क्योंकि यहां पढ़ने वाले बच्चे ही देश के भविष्य हैं, जब उनसे ऐसा वर्ताव किया जायेगा तो कब तक वे चुपचाप खराब खाना खाकर अपने आपको बीमार करते रहेंगे। यहां से परेशान होकर अंततः वे घर जायेंगे और निश्चित है कि अगर वे घर गये तो शायद ही वे दोबारा पढ़ने व रहने छात्रावास आयें।